SEMESTER-2, Paper-VII

Date 05.05.2020

Expt. No. TOPIC – हिन्दी शिक्षणविधि (HINDI PEDAGOGY)

Page No. (4)

पाठयोजना (LESSON-PLAN)

(1) विद्यालय का नाम – (2) दिनांक –

(3) अवधि – (4) पाली/घंटी –

(5) विषय – कहानी शिक्षण (6) छात्राध्यापक का नाम

(6) कक्षा – (8) छात्र संख्या –

(V) दिवस – (10) प्रकरण – मूर्ख सिंह

(11) पाठ्य विषय – (12) छात्रों की आयु –

सामान्य उद्देश्य

(1) हिन्दी कहानी (कथा) के प्रति छात्रों मे रुचि उत्पादन ।

(2) हिन्दी कथा - साहित्य का परिचय प्रदान करना छात्रों को ।

(3) कहानी के माध्यम से शब्दकोष की वृद्धि करना

(4) छात्रों को नवीन शब्दों से परिचित कराना।

(5) छात्रों मे ऐसी योग्यता उत्पादन करना, जिससे हिन्दी भाषण मे, लिखने मे समर्थ व सक्षम हो

विशिष्ट उद्देश्य – 'मूर्ख सिंह' इस कथा कहानी के माध्यम से 'जिसके पास बुद्धि उसीका बल' इस उक्ति व कथन का ज्ञान प्रदान करना

सहायक उपकरण – श्यामपट्ट, सुधारवण्ड (मार्कर, संकेत छडी, डस्टर एवं विषयोपयोगी चित्र

पूर्व-ज्ञान :– छात्र - छात्रायें मूर्ख के लक्षण की कथा पूर्व मे पढ चुके हैं

विषयोपस्थापन (विषय - वस्तु) प्रस्तुतीकरण –

एक सिंह प्रतिदिन पशुओं को खाता था। एक बार खरगोश की बारी आयी। खरगोश चतुर रहा इसलिए वह विलम्ब से सिंह के निकट गया। सिंह कुपित होकर कहा – रे खरगोश! विलम्ब से क्यों आया? खरगोश ने कहा – रास्ते के बीच मे एक अधिक बलवान् सिंह मिल गया। इसको सुनकर सिंह क्रोध से बोला – कहाँ है उसे मुझे दिखाओ। खरगोश उस सिंह को कूओं के समीप मे ले जाकर उसके प्रतिबिम्ब को ही दिखाता है और कहता है यही दूसरा सिंह है। सिंह मूर्ख था। इसलिए कूओं मे अपने प्रतिबिम्ब के ऊपर आक्रमण करके स्वयं ही मर गया।

Teacher's Signature ____________